Kiara
Let's Make Life Happy

Kiara Astrology Research Centre ®
(Prime Report)

ॐ गंग गणपतये नमः
Call: 08674827268

Kiara ID: 500 11208 | Date: 04/04/2020 | Validity : 3 Months Only

नाम: Manisha Mathur	जन्म तिथि: 20/03/1971	जन्म समय: 8:15 AM
जन्म स्थान: Ajmer (Raj)	मांगलिक योग: No (नेष्ट)	इष्ट देव: Surya Dev (or) (Bhrahma Dev)

1. योग कारक (अच्छा) / मारक (शत्रु) ग्रह: (ग्रहों की स्थित के अनुसार) :

इन सभी ग्रहों के रत्न धारण करना, पूजा पाठ करना उत्तम होगा, लेकिन इन ग्रहों से सम्बंधित वस्तुयें का दान नहीं किया जाता है।

S.No	योग कारक (अच्छा) ग्रह	शुभ फल देने की क्षमता	मारक (शत्रु) ग्रह	अशुभ फल देने की क्षमता
1.	Mangal	50%	Shani (नीच)	40%
2.	Chandra	25%	Budh (अस्त)	60%
3.	Rahu (व)	Nill (25%)	Surya	30%
4.			Guru	70%
5.			Shukra	20%
6.			Ketu (व)	Nill (25%)

इन सभी ग्रहों को पूजा पाठ एवं दान करके शांत करना है। इनके रत्न वर्जित हैं।

2. राजयोग (अच्छा योग): महालक्ष्मी राजयोग : (Active = 25%) मूँगा तथा मोती धारण करने से इस योग के फलों में वृद्धि होगी।
3. कुण्डली दोष: सूर्यग्रहण योग : (सूर्यदेव को रोजाना जल देना है)
4. शुभ दिन: Monday & Tuesday.
5. शुभ रंग: (सफेद, लाल) अशुभ : (काला, नीला, पीला, हरा)
6. रत्न (Gemstones) धारण कर सकते हैं (Life Time):

Gemstones (रत्न)	Ratti	Hand	Finger	Details
1. मूँगा	8+	Left	Ring	मूँगा को सोने, पीतल, ब्रॉन्ज में मंगलवार को 8:15 AM पर शुक्लपक्ष में धारण करना है।
2.				
3. मोती	8+	Left	little	चाँदी में सोमवार को 8:15 AM पर शुक्लपक्ष में धारण करें।

7. वर्जित रत्न (भूल कर भी धारण ना करें):

नीलम, नीली, पन्ना, माणिक, पुखराज, टोपाज, ओपल, हीरा, लहसुनिया आदि

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia

Scanned with CamScanner

नोट : रत्न पहनने का अर्थ यह है की जिस ग्रह का रत्न धारण किया जाता है उस ग्रह की किरणों का शरीर में बढ़ाना। रत्न हमेशा योग कारक और सम ग्रह का पहना जाता है जब वो अच्छे फल देने में सक्षम न हो।

a) चंद्रदेव (मोती), मंगलदेव (मूंगा) और बृहस्पति देव (पीला पुखराज) का रत्न सदा शुक्ल पक्ष में धारण करना चाहिए। तभी यह लाभ प्रद होता है। (समय 8:15 AM)

b) सूर्य देव (माणिक), बुध देव (पन्ना), शुक्र देव (आपल, हीरा, सफ़ेद पुखराज), शनि देव (नीलम) का रत्न किसी भी पक्ष में धारण कर सकते हैं। (समय 8:15 AM)

c) सही गड़ना के मुताबिक **पांच कैरट या एक ग्राम से कम** वजन का रत्न नहीं धारण करना चाहिए।

d) **पुरुषों** को सदैव दाएं हाथ में रत्न पहना है। **स्त्रियों** को सदैव बाएं हाथ में रत्न पहनना चाहिए। अगर किसी जातक को नाग धारण हो जैसे (माणिक, मूंगा), (नीलम, हीरा) तोह लग्न का रत्न उस जातक को पहले सही हाथ में धारण करवाया जाता है। दूसरा रत्न दूसरे हाथ में पहनाया जाता है।

e) मूंगा (मंगल देव) और पन्ना (बुध देव) एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

f) पन्ना (बुध देव) और मोती (चंद्र देव) एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

g) पन्ना को सदैव चाँदी में ही पहना जाता है, सोने में धारण करने से बुध देव अपने फल नहीं देते हैं।

h) नीलम (शनि देव) और मोती (चंद्र देव) एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

i) नीलम (शनि देव) को कभी भी चाँदी में नहीं पहना जाता है, अन्यथा शनि साढ़े साती एक साथ चलने लगती है। नीलम को सोने में या पंचधातु में ही धारण करना चाहिए।

j) नीलम (शनि देव) और माणिक (सूर्य देव) कभी भी एक साथ धारण नहीं किया जाता है अन्यथा सत्यनाश कर देंगे रत्न।

k) माणिक (सूर्य देव) और हीरा (शुक्र देव) कभी भी एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

l) हीरा (शुक्र देव) और पुखराज (बृहस्पति देव) कभी भी एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

m) गोमेद (राहु) और मूँगा (मंगल) एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

n) पुखराज (बृहस्पति देव) और नीलम (शनि देव) एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

o) राहु देवता का रत्न गोमेद कभी भी धारण नहीं करना चाहिए।

p) चंद्र का रत्न (मोती) और राहु का रत्न (गोमेद) कभी भी एक साथ धारण नहीं किया जाता है। राहु चंद्र ग्रहण लगा देते हैं।

q) मंगल के रत्न मूंगा के साथ पन्ना / नीलम / हीरा / ओपल नहीं पहना जाता है।

r) बृहस्पति के रत्न "पुखराज" के साथ नीलम / हीरा / ओपल नहीं पहना जाता है।

s) चन्द्रमा के रत्न मोती के साथ नीलम / पन्ना / हीरा / ओपल नहीं पहना जाता है।

8. **रोग भाव का स्वामी: (मित्र/शत्रु)** बुध देव : बुध देव का दान व पाठ पूजन करने से रोगों से छूट सकेगा। गणेश जी की पूजा करनी चाहिए।

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi – 834003 (JH), Phone: +91-8789981729, 8674827268, Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

11. महादशा/अन्तर्दशा/प्रत्यंतर दशा परिणाम :

शनि की साढ़ेसाती का last 2½ साल चल रहा है। शनिदेव के कारण समस्याएं ज्यादा होंगी! Husband के साथ तनाव की स्थिति बनेगी, निर्दयी, गुस्सैल Nature develop होगा! शरीर के किसी हिस्से जैसे घुटनों, पैर में दर्द बना रहेगा! कामकाज सम्बन्धी समस्या। छोटी मोटी Health Problems लगी रहेंगी!

* from 24/01/2020 से 2½ साल तक शनिदेव का दान व पाठपूजन अवश्य करें! पीपल के पेड़ को जल दें, तथा सरसों के तेल का दीपक जलाएं। हर शनिवार को अवश्य करें! (पूर्णिमा के बाद) सरसों के तेल का दान हर शनिवार को करें।

राहु की महादशा : 27-04/2018 to 26/04/2036 : सामान्य अच्छी दशा (25%)

राहु/राहु/शुक्र : 21/01/20 to 02/07/2020 : खराब दशा (20%)

पति को अधिक समस्या होगी, धन हानि व धन अभाव बढ़ेगा, पैसों की दिक्कत होगी। किसी को पैसे उधार ना दें पैसे फंसने का योग बनता है। घुटने तथा heart सम्बन्धित समस्या हो सकती है।

शुक्र का दान व शनि का दान अवश्य करें।
(शुक्रवार को) (शनिवार को)

Scanned with CamScanner

11. महादशा/अन्तर्दशा/प्रत्यंतर दशा परिणाम :

राहु | राहु | सूर्य : 03/07/2020 to 20/08/2020 : चपल दशा (30%)

पेट से सम्बन्धित समस्या हो सकती है like stones की Problems हो सकती है मानसिक तनाव, Agressive Nature, पैर तथा Heart सम्बन्धित परेशानी हो सकती है।

- सूर्य को जल देना है तथा गेहूँ का दान रविवार को करें।
- शनि का दान शनिवार को करते रहें।

राहु | राहु | चन्द्र : 21/08/2020 to 10/11/2020 : सामान्य + अच्छा समय।

- वाहन, प्रॉपर्टी लेने के योग बन सकता है समस्याएँ समाप्त होंगी, भाग्य साथ देगा। मन शान्त होगा।
- शनि का दान अवश्य करें। otherwise समस्याएँ बढ जाएँगी।

राहु | राहु | मंगल : 11/11/20 to 07/1/21 : अच्छा समय (50–80%)

- वाहन, प्रॉपर्टी के योग बनेंगे, अच्छा समय व्यतीत होगा।
- शनि का दान करते रहें।

* Additional

- केले के पेड़ की पूजा करना है। (रोज या बृहस्पतिवार को)
- गणेश जी का पाठ पूजन करना है
- शनि का दान व मंत्रजाप (After sunset)
- चींटियों को चीनी डालें — Wednesday, Thursday, Friday, Saturday, Sunday.

Scanned with CamScanner

12. कुंडली में स्थित मारक (शत्रु) ग्रह के उपाय & दान :

ग्रह	उपाय & दान
सूर्य देव के उपाय: **(रविवार को करना है)**	सूर्य देव को जल देना, तांबे का सिक्का जल प्रवाह करना, शक्कर चींटियों को डालना, ब्रह्म देव की उपासना करना, माणिक जल प्रवाह करना। **नोट:- पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** **सूर्य देव के मंत्र का जाप करें। (ॐ सूर्याय नमः)**
चंद्र देव के उपाय: **(सोमवार को करना है)**	दूध दान करना, चावल दान करना, मिश्री दान करना, चीनी दान करना या चींटियों को डालना, श्वेत वस्तु (वस्त्र, फूल) दान करना, मोती दान या जल प्रवाह करना। **नोट:- माता या माता तुल्य स्त्रियों से मधुर संबंध रखना, उनसे आशीर्वाद लेना, उनकी सेवा करने से चंद्र देव प्रसन्न होते हैं।** सोमवार को दूध या जल शिवलिंग पर चढ़ायें और शिव जी पूजा करें। चंद्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ सों सोमाय नमः)**
मंगल देव के उपाय: **(मंगलवार को करना है)**	हनुमान जी को सिन्दूर चढ़ाना , हनुमान जी को चोला चढ़ाना, लाल चीज का दान, टमाटर का दान, गाजर का दान, अनार का दान, शक्कर चींटियों को डालना, लाल सूखी मिर्च जल प्रवाह करना, मूँगा जल प्रवाह करना, हनुमान जी को पान के पत्ते चढना। **नोट:- छोटे भाई या छोटे भाई तुल्य व्यक्ति से मधुर संबंध रखना, ख्याल रखने से मंगल देव प्रसन्न होते हैं।** मंगल देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ भुं भौमाय नमः अथवा ॐ अं अंगारकाय नमः)** **(संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो। कौन सो संकट मोर गरीब को ,जो तुमसे नहिं जात है तारो ॥)**
बुद्ध देव के उपाय: **(बुधवार को करना है)**	हरा चारा गाय को डालना, खीरा दान करना, पुदीना दान करना, पन्ना जल प्रवाह करना, बाज़रा पंछियों को डालना, साबुत मूंगी का दान करना, हरी वस्तु (वस्त्र, चूड़ियाँ इत्यादि), तुलसी का दान और सेवा, किन्नरों को कुछ भी खाने की देना। **नोट:- छोटी कन्या, मौसी, बुआ, बहन, भाभी, ताई, चाची, मामी से मधुर संबंध रखने से बुध देव प्रसन्न होते हैं।** बुद्ध देव के मंत्र का जाप करें **(ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः ॥ (or) ॐ गंग गणपतये नमः)**
बृहस्पति देव के उपाय: **(बृहस्पतिवार को करना है)**	शक्कर का दान या चींटियों को डालना, बेसन के लड्डू का दान करना, केले, हल्दी का दान करना, केले क पेड़ को जल देना और सेवा करना, चने की दाल का दान करना, गेंदे का फूल मन्दिर में चढ़ाना, धार्मिक और ज्ञानवर्धक पुस्तके बांटना, सुनेला जल प्रवाह करना, पापीती का दान करना। **नोट:- बुजुर्गो की सेवा करना, गुरूजनो का सम्मान करना, पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** बृहस्पतिवार को हल्दी की पीली गाँठे जल प्रवाह करें और बृहस्पति देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ बृं बृहस्पतये नमः)**
शुक्र देव के उपाय:	चीनी दान करना, चावल दान करना, आटा दान करना, सफ़ेद मिठाई (रसगुल्ला, छेना मुर्की, बर्फी) दान करना, इत्र दान करना, जरकन (ओपल) दान करना, सौंदर्य प्रधान वस्तुओं का दान करना, मिश्री दान करना। **नोट:- पत्नी, प्रेमिका के साथ मधुर संबंध रखना, स्त्रियों का आदर करना।**

Scanned with CamScanner

(शुक्रवार को करना है)	हर शुक्रवार को कच्चे दूध (1/2 cup) से स्नान करें और शुक्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः ॥ (or) ऊँ शुं शुक्राय नमः)**
शनि देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)**	काले तिल दान करना/ चीटियों को डालना, सरसों के तेल का दाल करना, काली जुरावें दान करना, पीपल के वृक्ष को जल देना, पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों का दीपक जलाना, काला वस्त्र का दान करना, लोहे की वस्तुओं का दान करना (चिंता, तवा), नीली जल प्रवाह करना, शनि चालीसा का दान करना, कोयला दान करना/ जल प्रवाह करना, जूता, चप्पल दान करना। **नोट:- निम्न स्तर का कर्मचारी (मजदूर, नौकर, कामवाली, भिखारी) के साथ सही व्यवहार रखने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं।** शनिवार को शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes शनि देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ शं शनैश्चराय नमः)**
राहु देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)**	चाय की पत्ती, अगरबत्ती दान करना, सिक्का दान करना, बिजली की तार जल प्रवाह करना, गोमेद जल प्रवाह करना, सतनाजा चीटियों को डालना, काला सफ़ेद कम्बल दान करना, विकलांगो की सहायता करना, कुस्थश्रम में दान करना, नेत्रहीनों की सेवा करना। शनिवार को चाय की पत्ती (100gm), १ अगरबत्ती का पैकेट शनि देव के मंदिर के बाहर गरीबों को दान करें और देते समय राहु मंत्र "ॐ रां राहवे नमः" का जप करें। **नोट:- किसी भी प्रकार से शारीरिक असमर्थ लोगों का ख्याल रखने से राहु देव प्रसन्न होते हैं।** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes राहु देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ रां राहवे नमः)**
केतु देव के उपाय: **(मंगल, बुधवार को करना है)**	काला सफ़ेद कपड़ा दान करना, निम्बू दान करना, अमचूर दान करना, आंवले का अचार दान करना, चाकू दान करना, कुत्ते की सेवा करना, कुत्ते को कपड़ा पहनना। **नोट:- नानका परिवार से मधुर संबंध रखने से केतुदेव प्रसन्न होते हैं.** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes केतु देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊं कें केतवे नमः)**

नोट: यदि आपकी कुंडली शनि, राहु के दान के लिए अनुमति प्रदान करती है तो **अमावश्या** के दिन किसी भी समय (दिन/रात) चाय की पत्ती, अगरबत्ती का दान (राहु के लिए) तथा सरसों का तेल (शनि देव के लिए) का दान अवश्य करें।

नोट: यदि परिवार में कलह - कलेश हो रहा हो और स्थित बिगड़ने वाली हो तो उस वक्त कोई भी परिवार का सदस्य मन ही मन २० मिनट तक नीचे दिए गये मंत्र का जाप अवश्य करें। संकटमोचन हनुमान जी आपकी अवश्य मदद करेंगे और स्थित सामान्य होने लगेगी। (हनुमान जी का पाठ पूजन महिलाएं भी कर सकती हैं। क्यूंकि हनुमान जी ने अपनी छाती चीर कर दिखा दी थी कि उनके हृदय में प्रभु राम और सीता माता दोनों एक साथ रहते हैं।)

मंत्र : संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो। कौन सो संकट मोर गरीब को, जो तुमसे नहिं जात है टारो॥

Scanned with CamScanner

ऊँ गं गणपतये नम

शुभ 卐 लाभ

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 50011208 Date: 05/04/2020

Manisha Mathur

20 Mar 1971 08:15 AM

Ajmer

Manisha Mathur

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 50011208 Date: 05/04/2020

लिंग	: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	: **20/03/1971**
दिन	: शनिवार
जन्म समय	: **08:15:00 ांटे**
इष्ट	: 04:06:05 घटी
स्थान	: **Ajmer**
राज्य	: Rajasthan
देश	: India

अक्षांश	: 26:29:00 उत्तर
रेखांश	: 74:40:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:31:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 07:43:40 घंटे
वेलान्तर	: -00:07:44 घंटे
साम्पातिक काल	: 19:31:36 घंटे
सूर्योदय	: 06:36:33 घंटे
सूर्यास्त	: 18:41:57 घंटे
दिनमान	: 12:05:24 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: वसन्त
सूर्य के अंश	: 05:23:16 मीन
लग्न के अंश	: 07:34:28 मेष

चैत्रादि संवत / शक	: 2027 / 1892
मास	: चैत्र
पक्ष	: कृष्ण
सूर्योदय कालीन तिथि	: 8
तिथि समाप्ति काल	: 19:45:12
जन्म तिथि	: 8
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	: मूल
नक्षत्र समाप्ति काल	: 22:23:36 घंटे
जन्म नक्षत्र	: मूल
सूर्योदय कालीन योग	: व्यतिपात
योग समाप्ति काल	: 17:58:27 घंटे
जन्म योग	: व्यतिपात
सूर्योदय कालीन करण	: बालव
करण समाप्ति काल	: 07:59:56 घंटे
जन्म करण	: कौलव
भयात	: 25:17:37
भभोग	: 60:39:05
भोग्य दशा काल	: केतु 4 वर्ष 1 मा 7 दि

अवकहड I चक्र	
लग्न–लग्नाधिपति	: मेष – मंगल
राशि–स्वामी	: **धनु – गुरु**
नक्षत्र–चरण	: **मूल – 2**
नक्षत्र स्वामी	: केतु
योग	: व्यतिपात
करण	: कौलव
गण	: राक्षस
योनि	: श्वान
नाड़ी	: आद्य
वर्ण	: क्षत्रिय
वश्य	: मानव
वर्ग	: मृग
युँजा	: अन्त्य
हंसक	: अग्नि
जन्म नामाक्षर	: यो–योगिता
पाया(राशि–नक्षत्र)	: रजत – ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मीन

ात चक्र	
मास	: श्रावण
तिथि	: 3-8-13
दिन	: शुक्रवार
नक्षत्र	: भरणी
योग	: वज्र
करण	: तैतिल
प्रहर	: 1
वर्ग	: सिंह
लग्न	: धनु
सूर्य	: तुला
चन्द्र	: कन्या
मंगल	: वृश्चिक
बुध	: सिंह
गुरु	: धनु
शुक्र	: कुम्भ
शनि	: कन्या
राहु	: कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	07:34:28	464:56:30	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	———
सूर्य			मीन	05:23:16	00:59:38	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मित्र राशि
चंद्र			धनु	05:30:54	13:09:27	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	सम राशि
मंगल			धनु	11:10:54	00:36:00	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	मित्र राशि
बुध			मीन	18:01:56	01:52:44	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	नीच राशि
गुरु			वृश्चि	12:58:52	00:00:38	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
शुक्र			मक	25:18:43	01:10:54	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	मित्र राशि
शनि			मेष	25:31:36	00:05:53	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	नीच राशि
राहु			मक	29:33:12	00:00:53	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	मित्र राशि
केतु			कर्क	29:33:12	00:00:53	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	मित्र राशि
हर्ष	व		कन्या	18:37:19	00:02:30	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	———
नेप	व		वृश्चि	09:33:30	00:00:28	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	———
प्लूटो	व		कन्या	04:53:59	00:01:38	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	———
दशम भाव			धनु	27:43:44	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	--

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:27:28

लग्न–चलित

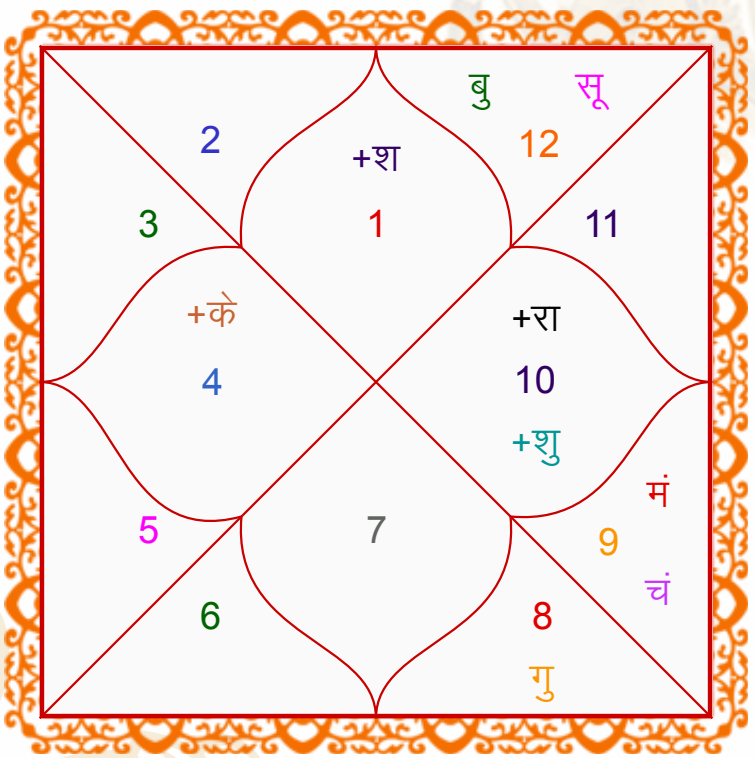

चन्द्र कुंडली

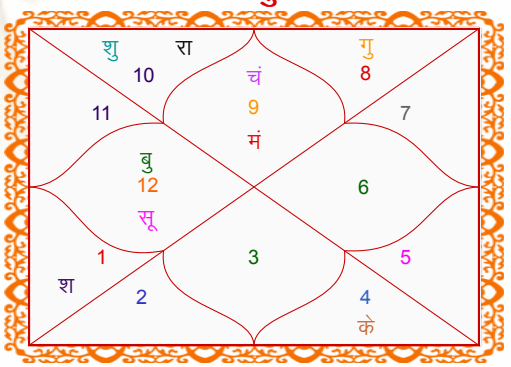

नवमांश कुंडली

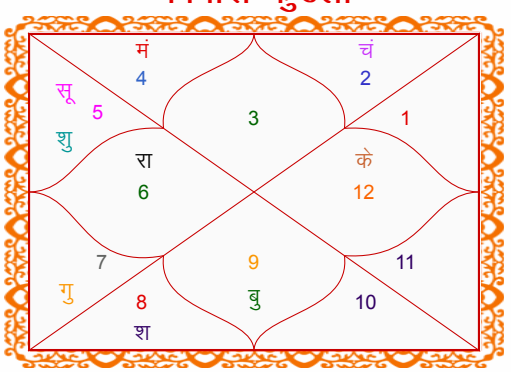

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	48	11	44	1	17	39	2
सप्तवर्गज बल	86	79	139	64	143	105	84
ओजयुग्मक बल	15	15	15	15	15	15	15
केन्द्र बल	15	15	15	15	30	60	60
द्रेष्काण बल	15	0	0	15	0	15	0
कुल स्थान बल	180	120	213	110	205	234	161
कुल दिग्बल	37	7	54	53	12	9	6
नतोन्नत बल	38	22	22	60	38	38	22
पक्ष बल	30	60	30	30	30	30	30
त्रिभाग बल	0	0	0	60	60	0	0
अब्द बल	0	0	0	0	15	0	0
मास बल	0	0	0	0	0	30	0
वार बल	0	0	0	0	0	0	45
होरा बल	0	0	0	0	60	0	0
अयन बल	59	60	0	36	3	10	7
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल कालबल	127	142	52	186	205	108	104
कुल चेष्टाबल	0	0	33	25	38	26	18
कुल नैसर्गिक बल	60	51	17	26	34	43	9
कुल दृग्बल	-11	-19	-17	-7	-26	-1	8
कुल षट्बल	393	301	353	392	468	420	306
रूप षट्बल	6.5	5.0	5.9	6.5	7.8	7.0	5.1
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	7	6	5
अनुपात	1.3	0.8	1.2	0.9	1.2	1.3	1.0
संबंधित पद	1	7	4	6	3	2	5

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	37.88	18.02	38.12	4.98	25.59	32.27	5.80
कष्ट फल	18.72	38.43	20.63	45.75	30.81	26.28	49.26

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	353	420	392	392	393	392	420	353	468	468	306	468
भावदिग्बल	30	20	40	30	10	10	0	50	20	60	40	20
भावदृष्टि बल	23	55	52	30	50	19	39	18	9	9	13	15
कुल भाव बल	406	495	484	452	453	421	459	421	497	538	359	503
रूप भाव बल	6.8	8.3	8.1	7.5	7.5	7.0	7.6	7.0	8.3	9.0	6.0	8.4
संबंधित पद	11	4	5	8	7	9	6	10	3	1	12	2

भाव बल ग्राफ

भावाधिपति बल

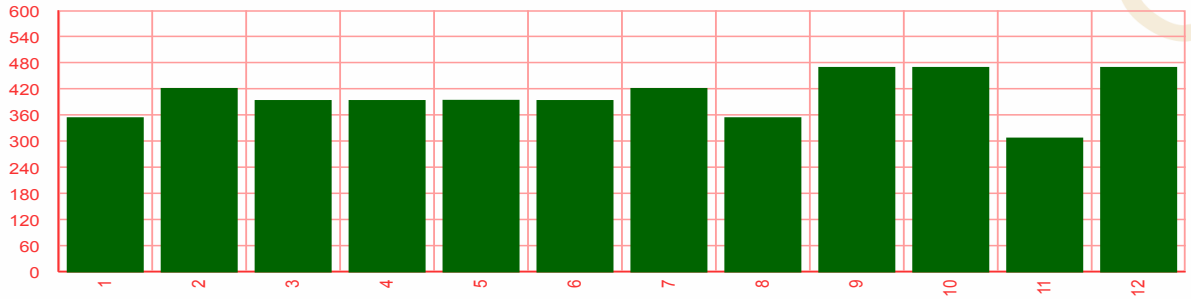

भावदिग्बल

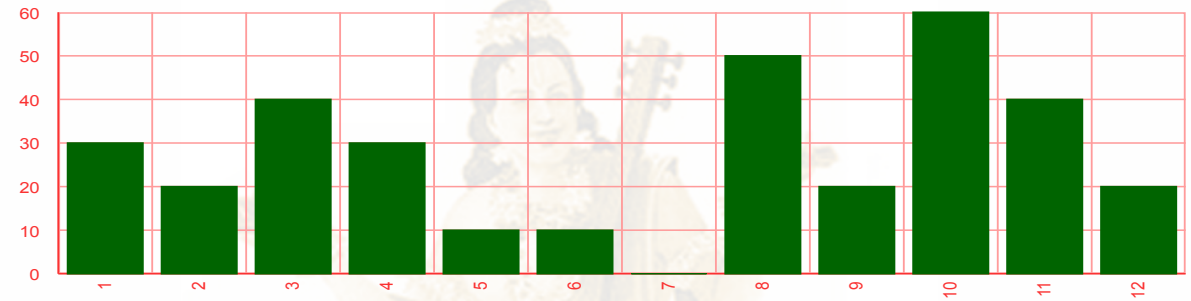

भावदृष्टि बल

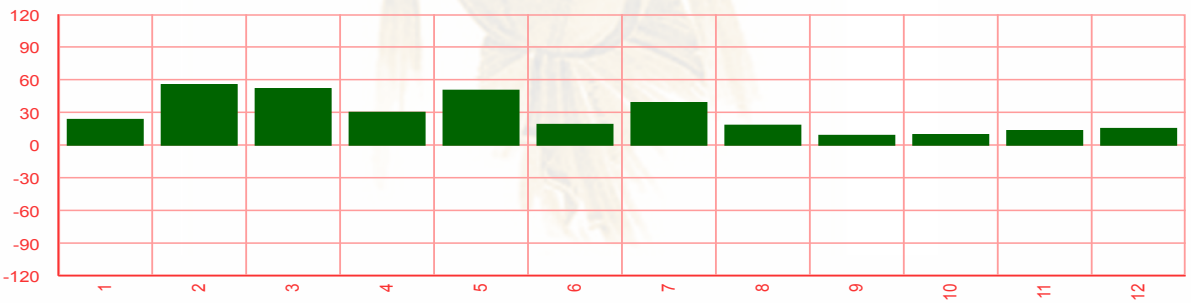

भाव बल

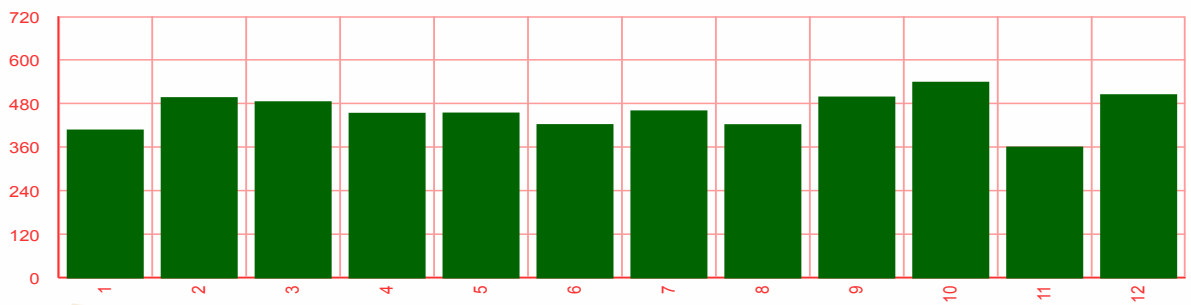

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 1 मास 7 दिन

केतु 7 वर्ष	
20/03/1971	
27/04/1975	
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	20/03/1971
मंगल	28/03/1971
राहु	14/04/1972
गुरु	21/03/1973
शनि	30/04/1974
बुध	27/04/1975

शुक्र 20 वर्ष	
27/04/1975	
27/04/1995	
शुक्र	27/08/1978
सूर्य	27/08/1979
चंद्र	27/04/1981
मंगल	27/06/1982
राहु	26/06/1985
गुरु	25/02/1988
शनि	27/04/1991
बुध	25/02/1994
केतु	27/04/1995

सूर्य 6 वर्ष	
27/04/1995	
27/04/2001	
सूर्य	15/08/1995
चंद्र	13/02/1996
मंगल	20/06/1996
राहु	15/05/1997
गुरु	03/03/1998
शनि	13/02/1999
बुध	20/12/1999
केतु	26/04/2000
शुक्र	27/04/2001

चंद्र 10 वर्ष	
27/04/2001	
27/04/2011	
चंद्र	25/02/2002
मंगल	26/09/2002
राहु	27/03/2004
गुरु	27/07/2005
शनि	25/02/2007
बुध	27/07/2008
केतु	25/02/2009
शुक्र	26/10/2010
सूर्य	27/04/2011

मंगल 7 वर्ष	
27/04/2011	
27/04/2018	
मंगल	23/09/2011
राहु	11/10/2012
गुरु	17/09/2013
शनि	26/10/2014
बुध	24/10/2015
केतु	21/03/2016
शुक्र	21/05/2017
सूर्य	26/09/2017
चंद्र	27/04/2018

राहु 18 वर्ष	
27/04/2018	
26/04/2036	
राहु	07/01/2021
गुरु	03/06/2023
शनि	09/04/2026
बुध	26/10/2028
केतु	13/11/2029
शुक्र	13/11/2032
सूर्य	08/10/2033
चंद्र	09/04/2035
मंगल	26/04/2036

गुरु 16 वर्ष	
26/04/2036	
26/04/2052	
गुरु	15/06/2038
शनि	26/12/2040
बुध	03/04/2043
केतु	09/03/2044
शुक्र	08/11/2046
सूर्य	27/08/2047
चंद्र	26/12/2048
मंगल	02/12/2049
राहु	26/04/2052

शनि 19 वर्ष	
26/04/2052	
27/04/2071	
शनि	30/04/2055
बुध	07/01/2058
केतु	16/02/2059
शुक्र	18/04/2062
सूर्य	31/03/2063
चंद्र	29/10/2064
मंगल	08/12/2065
राहु	14/10/2068
गुरु	27/04/2071

बुध 17 वर्ष	
27/04/2071	
26/04/2088	
बुध	23/09/2073
केतु	20/09/2074
शुक्र	21/07/2077
सूर्य	27/05/2078
चंद्र	27/10/2079
मंगल	23/10/2080
राहु	12/05/2083
गुरु	17/08/2085
शनि	26/04/2088

केतु 7 वर्ष	
26/04/2088	
00/00/0000	
केतु	22/09/2088
शुक्र	23/11/2089
सूर्य	30/03/2090
चंद्र	29/10/2090
मंगल	20/03/2091
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 0 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

राहु - राहु	
27/04/2018	
07/01/2021	
राहु	22/09/2018
गुरु	31/01/2019
शनि	06/07/2019
बुध	23/11/2019
केतु	20/01/2020
शुक्र	02/07/2020
सूर्य	20/08/2020
चंद्र	10/11/2020
मंगल	07/01/2021

राहु - गुरु	
07/01/2021	
03/06/2023	
गुरु	04/05/2021
शनि	20/09/2021
बुध	22/01/2022
केतु	14/03/2022
शुक्र	07/08/2022
सूर्य	20/09/2022
चंद्र	02/12/2022
मंगल	22/01/2023
राहु	03/06/2023

राहु - शनि	
03/06/2023	
09/04/2026	
शनि	14/11/2023
बुध	10/04/2024
केतु	10/06/2024
शुक्र	30/11/2024
सूर्य	21/01/2025
चंद्र	18/04/2025
मंगल	18/06/2025
राहु	21/11/2025
गुरु	09/04/2026

राहु - बुध	
09/04/2026	
26/10/2028	
बुध	19/08/2026
केतु	12/10/2026
शुक्र	16/03/2027
सूर्य	02/05/2027
चंद्र	18/07/2027
मंगल	11/09/2027
राहु	28/01/2028
गुरु	31/05/2028
शनि	26/10/2028

राहु - केतु	
26/10/2028	
13/11/2029	
केतु	17/11/2028
शुक्र	20/01/2029
सूर्य	08/02/2029
चंद्र	12/03/2029
मंगल	04/04/2029
राहु	31/05/2029
गुरु	21/07/2029
शनि	20/09/2029
बुध	13/11/2029

राहु - शुक्र	
13/11/2029	
13/11/2032	
शुक्र	15/05/2030
सूर्य	09/07/2030
चंद्र	08/10/2030
मंगल	11/12/2030
राहु	24/05/2031
गुरु	18/10/2031
शनि	08/04/2032
बुध	10/09/2032
केतु	13/11/2032

राहु - सूर्य	
13/11/2032	
08/10/2033	
सूर्य	30/11/2032
चंद्र	27/12/2032
मंगल	15/01/2033
राहु	06/03/2033
गुरु	18/04/2033
शनि	09/06/2033
बुध	26/07/2033
केतु	14/08/2033
शुक्र	08/10/2033

राहु - चंद्र	
08/10/2033	
09/04/2035	
चंद्र	23/11/2033
मंगल	25/12/2033
राहु	17/03/2034
गुरु	29/05/2034
शनि	24/08/2034
बुध	09/11/2034
केतु	11/12/2034
शुक्र	12/03/2035
सूर्य	09/04/2035

राहु - मंगल	
09/04/2035	
26/04/2036	
मंगल	01/05/2035
राहु	28/06/2035
गुरु	18/08/2035
शनि	18/10/2035
बुध	11/12/2035
केतु	02/01/2036
शुक्र	06/03/2036
सूर्य	25/03/2036
चंद्र	26/04/2036

गुरु - गुरु	
26/04/2036	
15/06/2038	
गुरु	08/08/2036
शनि	10/12/2036
बुध	30/03/2037
केतु	14/05/2037
शुक्र	21/09/2037
सूर्य	30/10/2037
चंद्र	03/01/2038
मंगल	18/02/2038
राहु	15/06/2038

गुरु - शनि	
15/06/2038	
26/12/2040	
शनि	08/11/2038
बुध	19/03/2039
केतु	12/05/2039
शुक्र	13/10/2039
सूर्य	29/11/2039
चंद्र	14/02/2040
मंगल	08/04/2040
राहु	24/08/2040
गुरु	26/12/2040

गुरु - बुध	
26/12/2040	
03/04/2043	
बुध	22/04/2041
केतु	09/06/2041
शुक्र	25/10/2041
सूर्य	06/12/2041
चंद्र	13/02/2042
मंगल	02/04/2042
राहु	04/08/2042
गुरु	23/11/2042
शनि	03/04/2043

गुरु - केतु	
03/04/2043	
09/03/2044	
केतु	23/04/2043
शुक्र	18/06/2043
सूर्य	05/07/2043
चंद्र	03/08/2043
मंगल	23/08/2043
राहु	13/10/2043
गुरु	27/11/2043
शनि	20/01/2044
बुध	09/03/2044

गुरु - शुक्र	
09/03/2044	
08/11/2046	
शुक्र	18/08/2044
सूर्य	06/10/2044
चंद्र	26/12/2044
मंगल	21/02/2045
राहु	17/07/2045
गुरु	24/11/2045
शनि	27/04/2046
बुध	12/09/2046
केतु	08/11/2046

गुरु - सूर्य	
08/11/2046	
27/08/2047	
सूर्य	22/11/2046
चंद्र	17/12/2046
मंगल	03/01/2047
राहु	15/02/2047
गुरु	26/03/2047
शनि	12/05/2047
बुध	22/06/2047
केतु	09/07/2047
शुक्र	27/08/2047

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

गुरु - चंद्र	
27/08/2047	
26/12/2048	
चंद्र	06/10/2047
मंगल	04/11/2047
राहु	16/01/2048
गुरु	21/03/2048
शनि	06/06/2048
बुध	14/08/2048
केतु	11/09/2048
शुक्र	01/12/2048
सूर्य	26/12/2048

गुरु - मंगल	
26/12/2048	
02/12/2049	
मंगल	15/01/2049
राहु	07/03/2049
गुरु	21/04/2049
शनि	14/06/2049
बुध	02/08/2049
केतु	21/08/2049
शुक्र	17/10/2049
सूर्य	03/11/2049
चंद्र	02/12/2049

गुरु - राहु	
02/12/2049	
26/04/2052	
राहु	12/04/2050
गुरु	07/08/2050
शनि	24/12/2050
बुध	27/04/2051
केतु	17/06/2051
शुक्र	10/11/2051
सूर्य	24/12/2051
चंद्र	06/03/2052
मंगल	26/04/2052

शनि - शनि	
26/04/2052	
30/04/2055	
शनि	17/10/2052
बुध	22/03/2053
केतु	25/05/2053
शुक्र	24/11/2053
सूर्य	18/01/2054
चंद्र	20/04/2054
मंगल	23/06/2054
राहु	05/12/2054
गुरु	30/04/2055

शनि - बुध	
30/04/2055	
07/01/2058	
बुध	16/09/2055
केतु	13/11/2055
शुक्र	25/04/2056
सूर्य	13/06/2056
चंद्र	03/09/2056
मंगल	30/10/2056
राहु	27/03/2057
गुरु	05/08/2057
शनि	07/01/2058

शनि - केतु	
07/01/2058	
16/02/2059	
केतु	31/01/2058
शुक्र	08/04/2058
सूर्य	29/04/2058
चंद्र	01/06/2058
मंगल	25/06/2058
राहु	25/08/2058
गुरु	18/10/2058
शनि	21/12/2058
बुध	16/02/2059

शनि - शुक्र	
16/02/2059	
18/04/2062	
शुक्र	28/08/2059
सूर्य	25/10/2059
चंद्र	29/01/2060
मंगल	06/04/2060
राहु	26/09/2060
गुरु	27/02/2061
शनि	29/08/2061
बुध	09/02/2062
केतु	18/04/2062

शनि - सूर्य	
18/04/2062	
31/03/2063	
सूर्य	05/05/2062
चंद्र	03/06/2062
मंगल	23/06/2062
राहु	14/08/2062
गुरु	30/09/2062
शनि	23/11/2062
बुध	12/01/2063
केतु	01/02/2063
शुक्र	31/03/2063

शनि - चंद्र	
31/03/2063	
29/10/2064	
चंद्र	18/05/2063
मंगल	21/06/2063
राहु	15/09/2063
गुरु	01/12/2063
शनि	02/03/2064
बुध	23/05/2064
केतु	26/06/2064
शुक्र	30/09/2064
सूर्य	29/10/2064

शनि - मंगल	
29/10/2064	
08/12/2065	
मंगल	22/11/2064
राहु	21/01/2065
गुरु	16/03/2065
शनि	19/05/2065
बुध	16/07/2065
केतु	08/08/2065
शुक्र	15/10/2065
सूर्य	04/11/2065
चंद्र	08/12/2065

शनि - राहु	
08/12/2065	
14/10/2068	
राहु	13/05/2066
गुरु	29/09/2066
शनि	13/03/2067
बुध	07/08/2067
केतु	07/10/2067
शुक्र	28/03/2068
सूर्य	19/05/2068
चंद्र	14/08/2068
मंगल	14/10/2068

शनि - गुरु	
14/10/2068	
27/04/2071	
गुरु	14/02/2069
शनि	11/07/2069
बुध	19/11/2069
केतु	12/01/2070
शुक्र	15/06/2070
सूर्य	31/07/2070
चंद्र	16/10/2070
मंगल	09/12/2070
राहु	27/04/2071

बुध - बुध	
27/04/2071	
23/09/2073	
बुध	30/08/2071
केतु	20/10/2071
शुक्र	15/03/2072
सूर्य	28/04/2072
चंद्र	10/07/2072
मंगल	30/08/2072
राहु	09/01/2073
गुरु	06/05/2073
शनि	23/09/2073

बुध - केतु	
23/09/2073	
20/09/2074	
केतु	14/10/2073
शुक्र	13/12/2073
सूर्य	31/12/2073
चंद्र	31/01/2074
मंगल	21/02/2074
राहु	16/04/2074
गुरु	03/06/2074
शनि	31/07/2074
बुध	20/09/2074

बुध - शुक्र	
20/09/2074	
21/07/2077	
शुक्र	11/03/2075
सूर्य	02/05/2075
चंद्र	27/07/2075
मंगल	26/09/2075
राहु	28/02/2076
गुरु	15/07/2076
शनि	26/12/2076
बुध	21/05/2077
केतु	21/07/2077